आँकड़ों का प्रस्तुतीकरण

आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण के प्रकार:

(i) पाठ्य या वर्णात्मक प्रस्तुतिकरण

(ii) सारणियन प्रस्तुतीकरण

(ii) चित्रमय प्रस्तुतीकरण

1. आँकड़ों का पाठ्य प्रस्तुतीकरण :

एक अच्छी सारणी के गुण या विशेषताएँ :

(i) सारणी का शीर्षक सबसे ऊपर एवं बीच में दिया जाना चाहिए |

(ii) जिन संख्याओं की तुलना की जानी है उन संख्याओं को एक दुसरे के पास वाले पंक्तियों या कॉलम में रखा जाना चाहिए |

(iii) सारणी का आदर्श आकार तय करने से पहले उनका एक रफ़ ड्राफ्ट बना लेना चाहिए |

(iv) यदि सामग्री उपलब्ध नहीं है तो इसे (n.a) या (-) अथवा किसी अन्य शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए |

(v) शीर्षक में जहाँ तक संभव हो एक वचन का प्रयोग किया जाना चाहिए |

(vi) संक्षिप्त शब्द () का प्रयोग शीर्षक या उपशीर्षक में नहीं किया जाना चाहिए |

(vii) सारणी के आँकड़ों के प्रत्येक वर्ग के लिए उप-योग (sub-total) तथा सभी संयुक्त वर्गों के लिए कुल योग लिखा जाना चाहिए |

(viii) यदि द्वितीयक आँकड़े हो तो उनके स्रोत लिखे जाने चाहिए |

(ix) सारणी सरल एवं सुन्दर होने चाहिए ताकि सुगमता से समझ में आ सके |